गोरखपुर, मंगलवार
22 अप्रैल, 2025
नगर ******
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 22

दैनिक जागरण

www.jagran.com

उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखण्ड, बिहार, झारखण्ड, पंजाब, जम्बू कशमीर, हिमांचल प्रदेश और पं. बंगाल से प्रकाशित

प्रेस्टिज इंटर कालेज के संस्थापक प्रधानाचार्य शिव नारायण सिंह की अनूठी पहल, हो रही सराहना

देवरिया की मेधा का देशभर में डंका, विभिन्न विश्वविद्यालयों में हो रहा शोध

महेंद्र कुमार त्रिपाठी • जागरण

देवरिया : शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रहे, बल्कि उसमें नैतिक मूल्य और जीवन दर्शन भी समाहित हो इस उद्देश्य को लेकर प्रेस्टिज इंटर कालेज, देवरिया के संस्थापक प्रधानाचार्य शिव नारायण सिंह बीते 25 वर्षों से लगातार प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को प्रेरणादायक बोध कथाएं सुनाते आ रहे हैं। उनकी यह अनूठी पहल न केवल विद्यार्थियों में संस्कार और नैतिकता की भावना विकसित कर रही है, बल्कि अब इन बोध कथाओं पर देशभर के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में शोध भी किया जा रहा है।

शिव नारायण सिंह •

मूल रूप से देवरिया के भटनी कस्बा से सटे छपिया जयदेव गांव के रहने वाले सामान्य दिखने वाले शिव नारायण सिंह गणित के जानकार हैं। जन्म-शिक्षा-दीक्षा छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में हुई। इसकी वजह उनके पिता सरकारी सेवा में कार्यरत थे।

बिलासपुर से एमएससी गणित की योग्यता पूरा करने के बाद देवरिया आए। शुरुआती दौर में उन्होंने बच्चों को ट्यूशन व कोचिंग पढ़ाया। उसके बाद शिक्षण संस्थान खोलने का मन बनाया। प्रेस्टीज इंटर कालेज के नाम से विद्यालय खोला। विद्यालय में अनुशासन एवं संस्कार युक्त शिक्षा प्राथमिकता में है।

कई विश्वविद्यालयों में हो रहा शोध : शिव नारायण सिंह की बोध कथाएं न केवल विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में सहायक हैं, बल्कि अब यह अकादमिक शोध का विषय भी बन चुकी हैं। छत्तीसगढ़ के अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय (बिलासपुर), अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (रीवा), केंद्रीय विश्वविद्यालय (बठिंडा, पंजाब) और पंजाबी

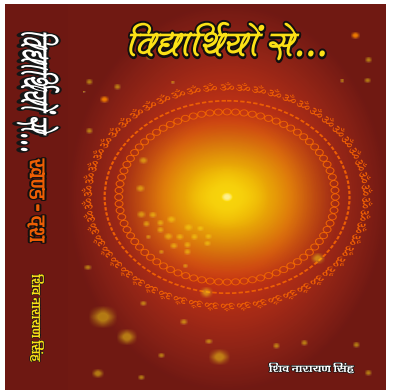

शिव नारायण सिंह की बोध कथाओं की पुस्तक विद्यार्थियों से ... • जागरण

विश्वविद्यालय (पटियाला) जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ-साथ अन्य विश्वविद्यालयों में शोधार्थी उनकी कथाओं के प्रभाव और महत्व पर हिंदी के साथ-साथ शिक्षा शास्त्र, मनोविज्ञान, दर्शन शास्त्र, समाज शास्त्र, पर्यावरण विज्ञान आदि विषयों में अपने अनुसंधान का विषय बनाया है। यह शोध भारतीय गुरुकुल परंपरा में नैतिक शिक्षा की प्रासंगिकता को दर्शाने के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा प्रणाली में इसकी भूमिका पर भी केंद्रित हैं। शिव नारायण सिंह की बोध कथाओं पर शोध की शुरुआत 2010 में पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला में प्रोफेसर राम निवास शर्मा के निर्देशन में मीनाक्षी गर्ग से हुई।

बोध कथाओं से बच्चों को मिल रही नई दिशा

शिव नारायण सिंह गणित विषय में एमएससी हैं। वे आधुनिक विज्ञान और भारतीय परंपरा के समन्वय में विश्वास रखते हैं। उनका मानना है कि शिक्षा केवल रोजगार तक सीमित न रहकर नैतिकता, मूल्यों और जीवन दर्शन को भी आत्मसात करे। इसी उद्देश्य से वे हर दिन प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को एक प्रेरणादायक बोध कथा सुनाते हैं। उनकी बोध कथाएं न केवल विद्यार्थियों को नैतिकता की ओर प्रेरित करती हैं, बल्कि उनके जीवन को दिशा देने का कार्य भी करती हैं। कई पूर्व छात्र मानते हैं कि इन कथाओं ने उनके जीवन में गहरा प्रभाव डाला और वे आज भी इनसे प्रेरणा लेते हैं।

भारतीय गुरुकुल परंपरा का आधुनिक रूप

शिव नारायण सिंह की यह अनूठी पहल भारतीय गुरुकुल परंपरा की याद दिलाती है, जहां शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न होकर नैतिकता और संस्कारों का भी संचार करती है। उनकी यह शिक्षा पद्धति आधुनिक दौर में विद्यार्थियों को एक संतुलित और मूल्यपरक शिक्षा देने का कार्य कर रही है। इस पहल को लेकर शिक्षाविद डा. अरूणेश नीरन का कहना है कि अगर स्कूलों में इस तरह की नैतिक शिक्षा अनिवार्य कर दी जाए, तो समाज में नैतिक मूल्यों की पुर्नस्थापना हो सकती है।

देवरिया के इस शिक्षाविद की सोच और प्रयास अब देशभर में चर्चा का विषय बन गई हैं, जिससे यह साबित होता है कि मेधा और नवाचार केवल महानगरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों में भी नई सोच और नवाचार की संभावनाएं मौजूद हैं।